

केमिकल इंडस्ट्री में सालाना पांच लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर

एक रिपोर्ट के मुताबिक देश की केमिकल इंडस्ट्री में हर साल पांच लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

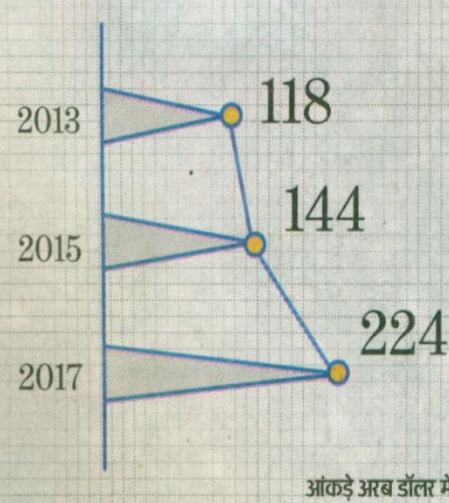
तेजी से बढ़ रही इंडस्ट्री में ज्यादा मौके इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की डिग्री वाले छात्रों के लिए होंगे।

हाल ही में जारी हुई एक रिपोर्ट के अनुसार देश में कंप्यूटर साइंस और टेक्नोलॉजी के प्रति छात्रों का रुझान कम हो रहा है। साथ ही इंजीनियरिंग के कोर ब्रांच में छात्रों की रुचि कुछ हद तक बढ़ी है। इंजीनियरिंग की कोर ब्रांच में से एक है केमिकल इंजीनियरिंग। इसमें कच्चे पदार्थों व केमिकल्स को उपयोग के लायक बनाया जाता है। नैनोटेक्नोलॉजी जैसी नई तकनीकों के आने से केमिकल इंडस्ट्री का तेजी से विस्तार हुआ है। ऐसे में इसमें प्रोफेशनल के लिए जॉब के मौके बनेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार देश की केमिकल इंडस्ट्री में सालाना 5 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बनेंगे।

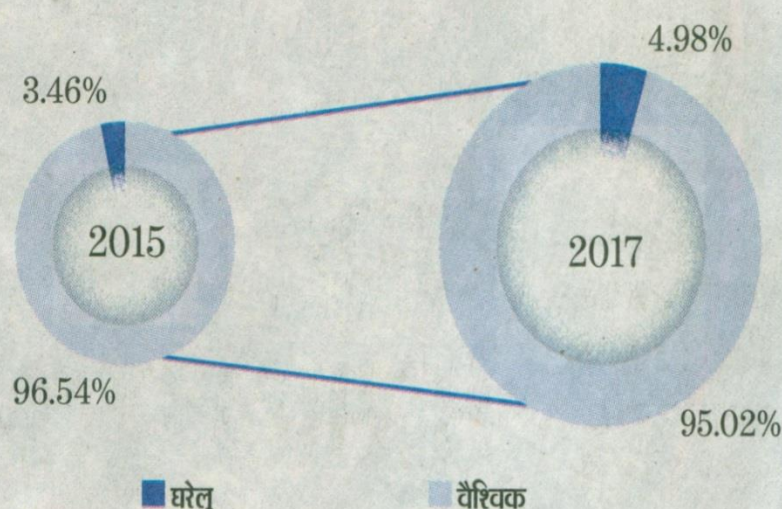
रिपोर्ट के अनुसार देश की केमिकल इंडस्ट्री करीब 155 अरब डॉलर की है और 2025 तक यह करीब 326 अरब डॉलर की हो जाएगी। विश्व के केमिकल बाजार में भारत की हिस्सेदारी करीब 3.5 फीसदी है और इस वर्ष के अंत तक यह करीब 5 फीसदी हो सकती है। टाटा स्ट्रैटिजिक मैनेजमेंट ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार देशभर के विभिन्न क्षेत्रों में 80 हजार से ज्यादा केमिकल उपयोग किए जाते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत केमिकल उत्पाद बनाने वाला दुनिया का सातवां और एशिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। आने वाले समय में इसके और बेहतर होने की संभावना है।

केमिकल इंडस्ट्री में मुख्यतः साइंस बैकग्राउंड वाले छात्रों के लिए मौके होते हैं, लेकिन इसके साथ ऑपरेशन और लॉजिस्टिक्स व मैनेजमेंट प्रोफेशनल की भी आवश्यकता होती है। केमिकल इंजीनियरिंग के अंतर्गत छात्रों को ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक केमिकल्स के बारे में पढ़ाया जाता है। केमिकल इंजीनियर का काम डिजाइनिंग और मैनुफैक्चरिंग से संबंधित होता है। केमिकल इंजीनियरिंग प्रोफेशनल के पास केमिकल प्लांट्स डिजाइन करने, ऑपरेट करने और उत्पादन से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी होती है। फार्मा कंपनियों से लेकर केमिकल कंपनियों में इनकी जरूरत होती है।

देश की केमिकल इंडस्ट्री



केमिकल के वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी



इंजीनियरिंग के अलावा प्रोजेक्ट को मैनेज करने के लिए और ऑपरेशनल मैनेजमेंट की जिम्मेदारी मैनेजमेंट प्रोफेशनल की होती है। उत्पाद को बाजार तक पहुंचाने के लिए कंपनियों को सप्लाय मैनेजमेंट प्रोफेशनल की जरूरत होती है। साथ ही कंपनी को अपने विस्तार के लिए मार्केटिंग और सेल्स प्रोफेशनल की भी आवश्यकता होती है।

बारहवीं के बाद बैचलर डिग्री कोर्स में ले सकते हैं प्रवेश

50 फीसदी अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स विषयों से 12वीं करने वाले छात्र केमिकल इंजीनियरिंग के बैचलर डिग्री कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। केमिकल इंजीनियरिंग के बीई या बीटेक कोर्स में प्रवेश के लिए जेईई मेन का वैलिड स्कोर जरूरी होता है। आईआईटी संस्थानों में प्रवेश के लिए छात्रों को जेईई एडवांस्ड परीक्षा भी क्लियर करनी होती है। कुछ संस्थान खुद का एंट्रेंस टेस्ट भी आयोजित करते हैं। एमटेक कोर्स में के लिए बीई, बीटेक या संबंधित स्ट्रीम से एमएससी

की डिग्री जरूरी है। कई संस्थानों में गेट का वैलिड स्कोर भी जरूरी होता है। रिसर्च के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए छात्र पीएचडी का विकल्प चुन सकते हैं। पॉलिटेक्निक करने वाले छात्र भी केमिकल इंजीनियरिंग में कैरियर बना सकते हैं। वहीं मैनेजमेंट के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए छात्र एमबीए कोर्स कर सकते हैं। किसी भी स्ट्रीम से बैचलर डिग्री करने वाले छात्र एमबीए कोर्स में प्रवेश के लिए योग्य हैं। प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के लिए कैट, जैट, मैट, सीमैट का वैलिड स्कोर जरूरी होता है। इसके अलावा बीफार्मसी या केमिकल इंजीनियरिंग से संबंधित अन्य बैचलर कोर्स करने वाले छात्रों के लिए भी इसमें जॉब के अवसर हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में जॉब के अवसर

केमिकल इंडस्ट्री में प्रोफेशनल के पास प्राइवेट और सरकारी सेक्टर में जॉब करने के विकल्प मौजूद हैं। केमिकल इंजीनियरिंग का बैचलर डिग्री कोर्स करने के बाद केमिकल मैनुफैक्चरिंग यूनिट, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, पेट्रोकेमिकल्स प्लांट्स में जॉब कर सकते

हैं। इसके अलावा इसमें प्रोफेशनल के लिए फार्मास्यूटिकल कंपनियों, सिंथेटिक फाइबर यूनिट, पेट्रोलियम रिफाइनिंग प्लांट आदि में जॉब के अवसर होते हैं। इनमें ये प्रोफेशनल बतौर केमिकल इंजीनियर, केमिकल डेवलपमेंट इंजीनियर, क्वालिटी कंट्रोलर, लैबोरेटरी असिस्टेंट, टेक्निकल स्पेशलिस्ट, प्रोजेक्ट मैनेजर या सुपरवाइजर का काम कर सकते हैं। शोध या शिक्षण में रुचि रखने वाले छात्र लैबोरेटरी या यूनिवर्सिटी में जॉब कर सकते हैं।

20-25 हजार रुपए प्रति माह शुरुआती पैकेज

इसमें प्रोफेशनल को कार्य, अनुभव और योग्यता के अनुसार सैलरी पैकेज अलग-अलग हो सकता है। फ्रेशर को इसमें 20 से 25 हजार रुपए प्रति माह मिलने की संभावना होती है। कुछ वर्ष के अनुभव के बाद 35 से 45 हजार रुपए प्रति माह मिलने की संभावना होती है। वहीं यूनिवर्सिटी या कॉलेजों में औसतन सैलरी पैकेज 40 हजार प्रति माह मिल सकता है।